Roll No. ..... Total Pages: 04

1117

I[st] YEAR ARTS EXAMINATION, 2018

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

गद्य

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

इकाई – I

प्र.1 (क) 'अलख आजादी की' नाटक के लेखक एवं निर्देशक का नाम लिखिये।

(ख) ''इंसानियत नाम की तो कोई चीज है ही नहीं इन कसाइयों में''– यह कथन किसने और कब कहा?

इकाई – II

(ग) 'साहित्यकार' की आस्था' – निबंध के लेखक का नाम लिखिये।

(घ) आपके पाठ्यक्रम की पुस्तक 'आधुनिक निबंध' के संपादक का नाम लिखिये।

इकाई – III

(ड़) 'तुलसी के सामाजिक मूल्य' निबंध के लेखक का नाम लिखिये।

(च) 'एक लम्बी कविता का अंत' निबंध के लेखक का पूरा नाम लिखिये।

इकाई – IV

(छ) जयशंकर प्रसाद के दो नाटकों के नाम लिखिये।

(ज) भारतेन्दु युगीन दो नाटककारों के नाम लिखिये।

इकाई – V

(झ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के दो निबंध संग्रहों के नाम लिखिये।

(ञ) ललित निबंध किसे कहते हैं?

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 सप्रसंग व्याख्या कीजियेः

हाँ, यदि जनता जाग्रत होती, समाज में चेतना होती, उनमें राष्ट्रीयता की भावना होती तो क्या यह संभव था कि 9600 कि.मी. दूर समुद्र पार से आये मुट्ठीभर अंग्रेज इतने बड़े मुल्क पर शासन कर पाते।

अथवा

इधर वाले कहते हैं ..... ये तुम्हारा मुल्क नहीं है, उधर जाओ। उधर वाले कहते हैं, दफा हो जाओ ये मुल्क तुम्हारा नहीं है। इधर वाले कहते हैं ये हिन्दुओं का है ..... उधर वाले कहते हैं, ये मुसलमानों का है। (फफक कर रो पड़ता है।) न मैं मुसलमान हूँ ..... न मैं हिन्दू हूँ ..... मैं तो एक इंसान हूँ।

इकाई – II

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिये :–

आपने माई लार्ड! जब से भारत वर्ष में पधारे हैं बुलबुलों का स्वप्न ही देखा है या सचमुच करने के योग्य काम भी किया है? खाली अपना खयाल ही पूरा किया है या यहाँ की प्रजा के लिये भी कुछ कर्तव्य पालन किया? एक बार ये बातें बड़ी धीरता के साथ मन में विचारिये।

अथवा

तो क्या हुआ? यह सब मनुष्य की आत्मकेन्द्रित दृष्टि का प्रसाद है। देवदारु को इससे क्या लेना – देना! वह तो जैसा है ऐसा बना हुआ है। तुम उसे वनस्पति कहो या देवता का काठ कहो। तुम्हें अच्छा लगता है तो अच्छा नाम देते हो।

इकाई – III

प्र.4 सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

नयी छायावादी काव्यधारा का भी एक आध्यात्मिक पक्ष है; परन्तु उसकी मुख्य प्रेरणा धार्मिक न होकर मानवीय और सांस्कृतिक है। उसे हम बीसवीं शताब्दी की वैज्ञानिक और भौतिक प्रगति की प्रतिक्रिया भी कह सकते हैं।

अथवा

शायद इसीलिये हम हिमालय और उसके अस्ति से इतनी तटस्थता आज दिखला रहे हैं और यह बतला रहे हैं कि इस अस्ति की पुकार हम तक नहीं आती, हम क्या करें? हमें देश का दर्द नहीं होता, हम क्या करें?

इकाई – IV

प्र.5 आधुनिक हिन्दी नाटक के विकास क्रम पर प्रकाश डालिये।

अथवा

जयशंकर प्रसाद के नाटकों का परिचय दीजिये।

इकाई – V

प्र.6 निबंध साहित्य में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के योगदान पर टिप्पणी लिखिये।

अथवा

शुक्लोत्तर युग के दो प्रमुख निबंधकारों एवं उनकी निबंध रचनाओं का परिचय दीजिये।

खण्ड– स

प्र.7 'अलख आजादी की' – नाटक की कथावस्तु लिखिये।

प्र.8 'अलख आजादी की' – नाटक के उद्देश्य अथवा संवाद योजना पर प्रकाश डालिये।

प्र.9 'देवदारु' निबंध की समीक्षा कीजिये।

प्र.10 'एक लम्बी कविता का अंत' – निबंध में व्यक्त विचारों को लिखिये।